पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

# *Class-IV*

# *Hindi*

# *Specimen Copy*

# *Term I*

# *Year-2022-23*

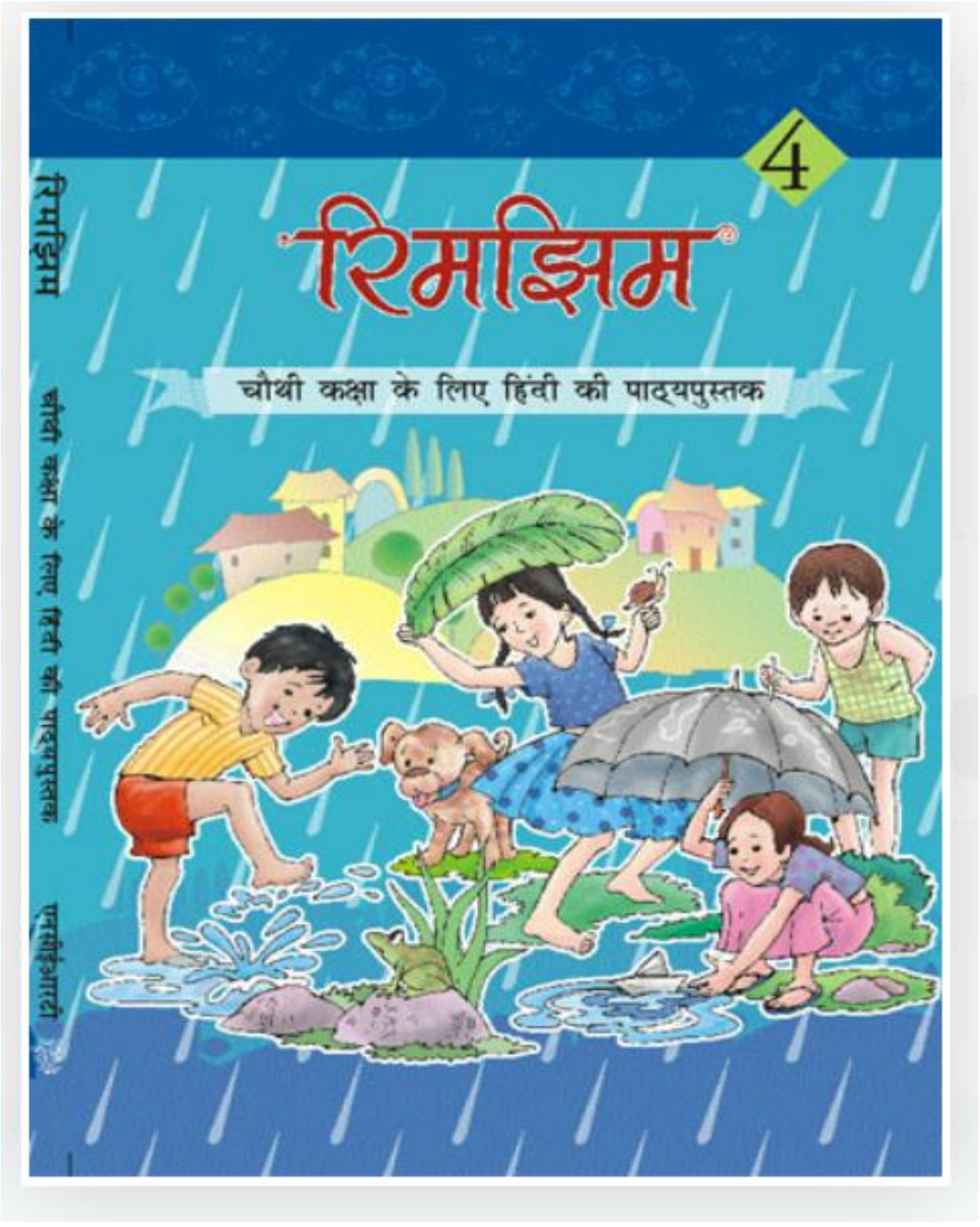
4
रिमझिम
चौथी कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

# पाठ-सूची

| क्रम | माह | पाठ का नाम | लेखक का नाम | ऐक्टिविटी |
|---|---|---|---|---|
| 01 | अप्रैल | कविता - 1 - मन के भोले - भाले बादल<br>लेखन विभाग - अपठित गद्यांश<br><br>पाठ - 2 - जैसा सवाल वैसा जवाब<br>निबंध - मेरी माँ | कल्पनाथ सिंह | बादलों के अलग - अलग चित्र बनाओ ।<br><br>अकबर और बीरबल के बारे में 10 लाइन लिखो । |
| 02 | जून | पाठ - 3 - किरमिच की गेंद<br>लेखन विभाग<br>निबंध - मेरा प्रिय खेल क्रिकेट<br>पाठ - 4 - पापा जब बच्चे थे<br>लेखन विभाग<br>पत्र लेखन | शांताकुमारी जैन<br><br>अलेक्सांद्र रसिकन | अलग - अलग गेंदों के चित्र बनाओ ।<br><br>आप बड़े होकर क्या बनाना चाहते हो उसके बारे मे 5 लाईने लिखो । |

| क्रम | माह | पाठ का नाम | लेखक का नाम | ऐक्टिविटी |
|---|---|---|---|---|
| 03 | जुलाई | पाठ - 5 - दोस्त की पोशाक<br>लेखन विभाग - अनुच्छेद | | अलग -अलग पोशाकों के चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ \| |
| 04 | अगस्त | पाठ - 6 - नाव बनाओ<br>नाव बनाओ<br><br>लेखन विभाग - निबंध | हरीकृष्णदास गुप्त | रंगीन पेपर की नाव बनाओ \| |
| 05 | सितंबर | पाठ - 7 - दान का हिसाब<br><br>लेखन विभाग - पत्र लेखन | सुकुमार राय | दान के बारे में 5 वाक्य लिखो \| |

# कविता - 1

## मन के भोले - भाले बादल

## लेखक - कल्पनाथ सिंह

**पाठ का सार :** इस कविता में भिन्न-भिन्न प्रकार के बादलों का चित्रण किया गया है। कवि कहता है कि इन बादलों के बाल झब्बरदार हैं और गाल गुब्बारे जैसा है। कुछ बादल जोकर की तरह तोंद फुलाए हैं कुछ हाथी-से सूँड़ उठाएं हैं। कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले हैं और कुछ बादलों में परियों-से पंख लगे हैं। ये सभी बादल आपस में टकराते रहते हैं और शेरों से मतवाले लगते हैं। कवि आगे कहता है कि कुछ बादल तूफानी हैं, और शैतान हैं। वे अपने थैलों से अचानक पानी बरसा देते हैं। ये बादल कभी किसी का कुछ नहीं सुनते हैं। रह-रहकर छत पर दिख जाते हैं और फिर तुरंत उड़ जाते हैं। कभी-कभी ये बादल जिद पर अड़ जाते हैं और इतना पानी बरसाते हैं कि नदी-नालों में बाढ़ आ जाती है। कवि कहता है कि इन सबके बावजूद ये बादल अच्छे लगते हैं। ये मन के भोले-भाले हैं।

**कठिन शब्दः**

| | |
|---|---|
| झब्बर | ढोलक |
| आसमान | बादल |
| जोकर | नदी |
| परियों | जिद्दी |
| शैतानी | छत |

**शब्दार्थः**

तोंद- बढ़ा हुआ पेट
कूबड़-उभरा हुआ हिस्सा
मतवाले-मनमौजी
भले-अच्छे
जिद्दी-हठी

**निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।**

**१-बादलों के किसके समान पंख लगे हुए हैं?**
उत्तरः (क) चिड़िया के समान (ख) पक्षियो के समान
(ग) परियो के समान (घ) जोकर के समान

**२-बादल के थैलों मे क्या है?**

उत्तरः (क) पत्थर (ख) पानी
(ग) धुआँ (घ ) ओस

**३- बादल क्या बजाते है?**

उत्तरः (क) ढोलक और ढोल (ख) मृदग और तबला
(ग) शहनाई और तानपूरा (घ) सितार और सारंगी

**४-बादल कहाँ बाढ़ लाते है?**

उत्तरः (क) नदी-नालों में (ख) घर मे
(ग) छत पर (घ) समुद्र मे

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

**१-बादल झुम-झुम कर क्या कर रहे है?**

उत्तरः बादल झुम-झुम कर काले बादल ला रहे है।

**२-बादल किस प्रकार पानी बरसा रहे है?**

उत्तरः बादल रिमझिम पानी बरसा रहे है।

**३-बादल छत पर आने के बाद क्या कर रहे है?**

उत्तरःबादल छत पर आने के बाद कभी सामने आ रहे है तो कभी उड़ जाते है।

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

**१-बादल किस रूप ,रंग और आकार के है?**

उत्तरः बादल जोकर-से तोंद फुलाए ,ऊँट-से कूबड़ वाले ,हाथी-से सूँड और परियों से पंख के आकार के है।

**३-कविता म बादल की शेर से किस प्रकार तुलना की गई है?**

उत्तरः जब बादल आपस में टकराते रहते हैं,तब शेर से तुलना की गई है।

**४-बादलो को मन के भोले-भाले बादल क्यों कहा गया है?**

उत्तरः कवि ने बादल की वर्णन करते हुए कहा है कि बादल कुछ भी करे किन्तु इन सब के बावजूद ये बादल बहुत अच्छे है ये मन के भोले भाले है।

**निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-**

**१-बादल किन-किन प्राणियों के समान प्रतीत हो रहे है?कविता मे उन प्राणियों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई है?**

उत्तरः बादल मे जोकर, ऊँट, हाथी और परियों के समान प्रतीत हो रहे है। कविता मे बादल जोकर-से तोंद फुलाए, ऊँट-से कूबड़ वाले, हाथी-से सूँड और परियों से पंख के आकार के है।

**२-कविता मे बादल के किन-किन कार्यों का उल्लेख किया गया है?**

उत्तरः कविता मे कुछ बादल रह-रह कर शैतानी कर रहे है, कुछ चूपके से अपने थैलो मे पानी भर रहे है, कुछ ढोल बजा रहे है, कुछ रह-रह के छत पर आ जाते है और कुछ जिद्दी बन कर नदी-नालों मे बाढ़ लाते हैं।

**सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।**

१-बादल के गाल गुब्बारे जैसे है। ( सही )

२-कुछ बादल बिना कूबड़ वाले ऊँटो जैसे दिख रहे है। ( गलत )

३-बादल किसी की कुछ भी नही सुनते है। ( सही )

**रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

१- बादल कभी-कभी <u>जिद्दी</u> बन जाते है।

२-बादल का मन <u>भोला-भाला</u> है।

३- कुछ बादल चूपके से अपने थैलो मे <u>पानी</u> भर रहे है।

४- बादल <u>नदी-नालो</u> में बाढ़ लाते है।

५- बादलों के परियों समान <u>पंख</u> लगे हुए है।

## प्रवृति : बादलों के अलग - अलग चित्र बनाओ |

# लेखन विभाग - अपठित गद्यांश

**दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

एक बंदर बहुत शरारती था | वह लोगों के घरों में जाकर बहुत उधम मचाता था | किसी के बर्तन उठाकर ले जाता था , तो किसी का मुँह नोच लेता था | लोग उस बंदर की शरारतों से बहुत परेशान थे | एक दिन उसने पानी से भरा एक बर्तन देखा | वह नहीं जानता था कि उसमें गरम पानी था | जैसे ही उसने बर्तन उठाया , गरम पानी उसपर गिर गया | वह दर्द से चिल्लाता हुआ वहाँ से भाग गया |

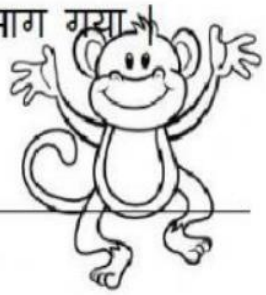

(क) बंदर कैसा था ?

_____

**ख) बंदर लोगों को कैसे तंग करता था ?**

**ग ) बर्तन उठाते ही क्या हुआ ?**

**घ ) कोई 4 नाम वाले शब्द ढूँढिए -**

**च ) विपरीत शब्द ढूँढ़कर लिखिए ठंडा - रात -**

**छ) गद्यांश का उचित शीर्षक सुझाइए –**

बंदर बहुत शरारती था

बंदर पर गर्म पानी गिर गया

किसी के बर्तन उठाकर ले जाता था और किसी का मुँह नोंच लेता था

बंदर /लोग /घर / बर्तन/मुँह /पानी /दर्द

दिन

गर्म

शरारती बंदर

# पाठ - 2

# जैसा सवाल वैसा जवाब

बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। इस कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फंसाने के तरीके सोचते रहते थे। ख्वाजा सरा, जो अकबर के एक खास दरबारी थे, अपनी बुद्धि और विद्या के आगे बीरबल को निरा बालक और मूर्ख समझते थे। एक दिन उन्होंने बीरबल को मूर्ख साबित करने की ठान ली। बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न उन्होंने सोचा। उन्हें पूरा भरोसा था कि ऐसे प्रश्नों के उत्तर: बीरबल कभी नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह के सामने उनकी (ख्वाजा सरा) अहमियत बढ़ जाएगी। ख्वाजा सरा सीधे अकबर के पास पहुंचे। उन्हें तीन सवाल देकर उन्होंने कहा कि उनके जवाब बीरबल से पूछे ताकि उसके दिमाग की गहराई का पता चले। ख्वाजा के अनुरोध पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा कि परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर: दे सकते हो? बीरबल तुरंत तैयार हो गए।

ख्वाजा का पहला प्रश्न था-संसार का केन्द्र कहाँ है? इसके जवाब में बीरबल ने तुरंत जमीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर: दिया, "यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचोंबीच पड़ता है।" ख्वाजा का दूसरा प्रश्न था-आकाश में कितने तारे हैं? बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा कि इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आकाश में हैं। बीरबल ने ख्वाजा साहब को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें इसमें कुछ संदेह दिखाई पड़ता है तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर सकते हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? बीरबल ने तपाक से जवाब दिया-जहाँपनाह! संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हर पल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता . है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है। ख्वाजा साहब बीरबल के उत्तर से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने बीरबल से कहा कि ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा। बीरबल ने कहा कि ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। ख्वाजा साहब आगे कुछ नहीं बोले।

## कठिन शब्द :-

- मंत्री
- बुद्धि
- मुश्किल
- मूर्ख
- प्रश्न
- विश्वास
- जहाँपनाह
- संतुष्ट
- आबादी
- संख्या

## शब्दार्थ :-

- बादशाह - राजा
- तरीका - उपाय
- दरबारी - सभा का एकसदस्य
- मूर्ख - बेवकूफ़
- कोशिश - प्रयत्न
- धोखा देना- छल करना

- विश्वास - भरोसा
- ज़मीन - भूमि
- आकाश - नभ
- आबादी - जनसंख्या
- संतुष्ट - संतोष

## निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१-बीरबल किसका पसंदीदा व्यक्ति था ?
उत्तरः (क) बादशाह अकबर का (ख) ख्वाजा सरा का
(ग) सभी दरबारी का (घ) इनमे से कोई नही

२-ख्वाजा सरा का अनुरोध सुनकर अकबरने किसे बुलाया?
उत्तरः (क) पुरोहित को (ख) **बीरबल**
(ग) संतरी को (घ) सभी दरबारियो को

३- ख्वाजा साहब के सवालों के जवाब देने के लिए भेड़ किसने मँगवाई थी?
उत्तरः (क) अकबर ने (ख) ख्वाजा न
(ग) महारानी (घ) राजवैध ने

४-अंत मे बीरबल ने किसे निरुत्तर कर दिया?
उत्तरः (क)ख्वाजा को (ख) अकबर को
(ग) दरबारियो को (घ) संतरी को

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१- ख्वाजा सरा कौन था?
उत्तरः ख्वाजा सरा बादशाह अकबर का एक दरबारी था।

२- ख्वाजा सरा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए क्या किया?
उत्तरः ख्वाजा सरा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए कुछ मुश्किल प्रश्न सोचे।

३- ख्वाजा सरा अकबर के पास क्यों गया था?
उत्तरः ख्वाजा सरा अकबर के पास तीन सवालो के जवाब पूछने गया था।

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

**१-बीरबल ने प्रश्नों के गोलमाल जवाब क्यों दिए थे?**

उत्तरः बीरबल ने प्रश्नों के गोलमाल जवाब इसलिए दिए क्योंकि वो ख्वाजा सरा का घंमड़ चुर करना चाहता था।

**२-कुछ दरबारी बीरबल से क्यों जलते थे?**

उत्तरः बीरबल की बुद्धी के आगे बड़ों-बड़ों की भी कुछ नही चल पाता था ।इसलिए कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे।

**३- अकबर के सामने भेड क्यों लाई थी?**

उत्तरः अकबर के सामने भेड़ ख्वाजा को जवाब देने के लिए लाई गई थी,कि आकाश में कितने तारे है वह भेड़ के शरीर मे जितने बाल है उसे गिन ले।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

**१-अकबर के सामने भेड़ क्यों लाई गई थी?**

उत्तरः अकबर के सामने भेड इसलिए लाई क्यों की बीरबल ने ख्वाजा का दुसरा प्रश्न का जवाब भेड़ की मात्रा से उत्तर दिया।इसलिए भेड़ को बुलवाया गया।

**२- ख्वाजा का अंतिम प्रश्न क्या था?बीरबल ने उसका क्या उत्तर दिया?**

उत्तरः ख्वाजा का अंतिम प्रश्न था कि संसार की आबादी कितनी है।और बीरबल ने उत्तर दिया की सभी लोगो को एक इक्ठ्ठा किया जाए तब उनको गिनकर संसार की आबादी का पता लगा सकते है।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-ख्वाजा सरा को विश्वास था कि बीरबल उसके प्रश्नों का ठीक-ठीक उत्तर नही दे पाएगा। ( सही )

२-बीरबल ने "नकली अक्ल-बहादुर " का प्रयोग ख्वाजा सरा के लिए किया था। ( गलत )

३-ख्वाजा सरा ने तीनों सवाल बीरबल को लिखकरबी दिए थे। ( गलत )

४-बीरबल के उत्तरों से ख्वाजा सरा संतुष्ट न था। ( सही )

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-बीरबल की <u>बुद्धी</u> के सामने बड़े-बडो की कुछ नहीं चल पाती थी।

२-बीरबल ने पहले प्रश्न का उत्तर जमीन पर अपनी <u>छडी</u> गाड़कर दिया।

३-संसार में हर पल लोगों का <u>मरना-जीना</u> लगा रहता है।

४-बीरबल के <u>उत्तर</u> सुनकर बादशाह संतुष्ट था।

५-बीरबल के <u>जवाबो</u> को गलत साबित नही किया जा सका।

## निबंध - मेरी माँ

- माँ वह है जो हमें जन्म देने के साथ ही हमारा लालन–पालन भी करती हैं।
- माँ के इस रिश्तें को दुनियां में सबसे ज्यादा सम्मान दिया जाता है।
- एक माँ दुनियां भर के कष्ट सहकर भी अपने संतान को अच्छी से अच्छी सुख–सुविधाएं देना चाहती है।
- मेरी माँ मेरे जीवन में कई सारी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है, वह मेरी शिक्षक तथा मार्गदर्शक होने के साथ ही मेरी सबसे अच्छी मित्र भी है।
- जब मैं किसी समस्या में होता हूं, तो वह मुझमें विश्वास पैदा करने का कार्य करती है।
- मैं अपने जीवन में जो कुछ भी हूं वह सिर्फ अपने माँ के ही बदौलत हूं क्योंकि मेरी सफलता तथा असफलता दोनो ही वक्त वह मेरे साथ होती हैं।
- वह मेरे दुख में मेरे साथ रही हैं, मेरे तकलीफों में मेरी शक्ति बनी है और वह मेरे हर सफलता का आधारस्तंभ भी है।
- उनके मेहनत, निस्वार्थ भाव, साहस तथा त्याग ने मुझे सदैव ही प्रेरित करने का कार्य किया है।
- उन्होंने मुझे समाजिक व्यवहार से लेकर ईमानदारी तथा मेहनत जैसी महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी हैं।

# पाठः३
# किरमिच की गेंद
## लेखकः शांताकुमारी जैन

**पाठ का सार :** गर्मी की छुट्टियाँ थीं। दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कहानी पढ़ रहा था कि तभी बगीचे में धम से किसी चीज के गिरने की आवाज हुई। दिनेश तुरंत बगीचे की ओर दौड़ पड़ा। वहाँ उसने भिंडियों के पौधों को उलटा-पलटा, सीताफल की बेल छान मारी, परन्तु उसे कुछ मिला नहीं। ढूँढ़ते-ढूढ़ते अचानक उसकी निगाह घूस के गड्ढे के ऊपर गई। वहाँ एक नई चमचमाती किरमिच की गेंद पड़ी थी। उसने इधर-उधर देखा। सभी घरों के दरवाजे और खिड़कियाँ बंद थे। इसलिए दिनेश को लगा कि हो सकता है यह गेंद बाहर से आई हो। तभी माँ की आवाज सुनकर वह गेंद उठा लिया और कमरे के अंदर आ गया। ठंडे फर्श पर बिछी चटाई पर लेटकर वह सोचने लगा-भले ही यह गेंद मोहल्ले में से किसी की न हो, किन्तु ईमानदारी इसी में है कि एकबार सबसे पूछ लिया जाए।

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। खेलने की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक क्लब बनाया हुआ था। शाम को सारे बच्चे यहीं एकत्रित हुए। दिनेश ने सबसे पूछा-मुझे एक गेंद मिली है। अगर तुममें से किसी की गेंद खो गई हो, तो वह गेंद की पहचान बताकर गेंद मुझसे ले सकता है। अनिल, सुधीर, दीपक सभी ने गेंद पर अपना अधिकार जताना शुरू किया। लेकिन दिनेश अच्छी तरह जानता था कि यह गेंद तीनों में से किसी की नहीं है। फिर भी दीपक बार-बार कहे जा रहा था-गेंद मेरी है और सिर्फ मेरी है। अनिल उसकी बात काटते हुए बोल पड़ा-क्या सबूत है कि यह गेंद तेरी ही है? फिर दोनों में ठन गई। दिनेश ने देखा कि झगड़ा बढ़ रहा है। गेंद हथियाने के लिए दीपक सुधीर और सुनील का सहारा ले रहा है। वह जानता था कि यदि गेंद दीपक के पास चली गई तो ये तीनों मिलकर खेलेंगे। अंत में वह गेंद दिखा दिया लेकिन साथ में यह भी कहा कि जो पक्का सबूत देगा, वही गेंद ले जाएगा।

गेंद देखते ही दीपक बोल पड़ा-यही मेरी गेंद है। यह लाल रंग का निशान मेरी ही गेंद पर था। लेकिन उसकी बात पर किसी को भरोसा नहीं हो रहा था। दीपक क्रोध में आ गया। उसने कहा-मैं इसे सड़क पर फेंक दूंगा। और उसने जैसे ही गेंद को सड़क पर फेंकने के लिए हाथ उठाया कि अनिल और दिनेश ने उसे पकड़ लिया। वास्तव में दिनेश का मन सबके साथ मिलकर उस गेंद से खेलने को कर रहा था। इसलिए उसने सबसे कहा-झगड़ा बाद में कर लेंगे। अपने-अपने बल्ले ले आओ, पहले खेल लें। पाँच मिनट के भीतर ही खेल आरंभ हो गया। दिनेश बल्लेबाजी कर रहा था। अभी दो-चार बार ही खेला था कि वह गेंद जोर से उछली और दरवाज़ा पार कर सड़क पर जाते हुए एक स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गिरी। तेज़ी से चलते हुए स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई। बच्चे स्कूटर के पीछे भागे किंतु जल्दी ही रुक गए। वे समझ गए कि स्कूटर के पीछे भागना बेकार है। फिर वे सभी ठहाका मारकर हँस पड़े।

## कठिन शब्दः

- उलटा –पलटा
- गेंद
- भरोसा
- सहारा
- ईमानदारी
- भीतर
- बल्लेबाजी
- स्कूटर
- ठहाका
- वास्तव

## शब्दार्थः

- लू–गर्म हवा
- आवाज– ध्वनी
- चतुर–चालाक
- मित्र–दोस्त
- धरती–भूमी
- भवन–मकान
- सुविधा–आराम
- निशान–चिह्न
- आजमाना–परखना
- आरंभ–शुरुआत
- बेइमान–धोखेबाज

## निम्नलिखित प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर लिखिए।

१–दिनेश घर मे बैठा– बैठा क्या कर रहा था?
उत्तर– (क) खेल रहा था (ख) कहानी पढ़ रहा था।
(ग) टींवी देख रह था (घ) गाने सुन रहा था

२–दिनेश के घर के बगीचे की क्यारियों के चारो ओर कौन से वृक्ष लगे हुए थे?
उत्तर– (क) आम के (ख)सेब के
(ग) केले के (घ)नीबू के

३–दिनेश के मोहल्ले में बच्चों ने खेलने की सुविधा के लिए क्या बनाया हुआ था?
उत्तर– (क) क्लब (ख)संस्था
(ग) मंडली (घ)टोली

४–अनिल की गेंद कितने महीने पहले खोई थी?
उत्तर– (क) आम के
(ग) केले के

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१-बच्चो के खेलने के कम मे गेंद कहाँ जा गिरी?
उत्तर- बच्चो के खेलने के कम मे गेंद स्कूटर मे बनी जालीदार टोकरी में जा गिरी

२-बगीचे मे आवाज होने के समय दिनेश की माँ क्या कर रही थी?
उत्तर- बगीचे मे आवाज होने के समय दिनेश की माँ मशीन चला रही थी।

२-गड्ढे के ऊपर दिनेश को क्या दिखाई दिया?
उत्तर- गड्ढे के ऊपर दिनेश को किरमिच की गेंद दिखाई दी।

३-क्लब मे सभी बच्चे गेंद खरीदने के लिए क्या करते थे?
उत्तर- क्लब मे सभी बच्चे गेंद खरीदने के लिए आपस मे चंदा इक्ट्ठा करते थे।

४-दिनेश द्वारा गेंद के बारे मे पूछे जाने पर किस -किस ने कहा कि गेंद मेरी है?
उत्तर- दिनेश द्वारा गेंद के बारे मे पूछे जाने पर सुनिल, सुधीर, अनिल और दीपक ने कहा कि गेंद मेरी है।

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-अनिल ने दीपक की बात क्यों काट दी?
उत्तर- अनिल ने दीपक की बात इसलिए काट दी क्योकि अनिल को गेंद चाहिए थी।

२-दिनेश ने अपने मित्रो से क्या पूछा था?
उत्तर- दिनेश ने अपने मित्रो से पूछा था कि यह गेंद किसकी है।

३-दिनेश को यह बात कैसे पता चली कि गेंद दीपक की नही है?
उत्तर-दिनेश को यह बात पता चली तब दीपक ने कहा कि मेरी गेंद पाँच महीने पहले खोई थी।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-दिनेश की माँ उसे बाहर जाने से क्यों रोक रही थी?
उत्तर- दिनेश की माँ उसे बाहर जाने से रोक रही थी क्यो कि बाहर बहुत गर्मी थी और लू चल रही थी।

२-गेंद मिलने पर दिनेश के मन में कौन - कौन से विचार आए?
उत्तर- गेंद मिलने पर दिनेश के मन मे विचार आए कि यह गेंद किसकी है, मुझे सबसे पहले पूछना चाहिए। तभी मै उसकी गेंद उसको दे पाउगाँ।

३-गेंद से संबधित झगड़े का अंत कैसे हुआ?

उत्तर-जब सारे बच्चे एक हो कर गेंद के साथ खेलने लगे तब सारे बच्चो के झगडें का अंत आ गया ।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-दिनेश बरामदे की चिक सरकाकर बाहर की ओर भागा। ( सही )

२-दीपक की गेंद दो महीने पहले खोई थी। ( गलत )

३-दीपक अपना मतलब सिद्धकरने तथा अवसर पडने पर सभी को मित्र बना लेने मे चतुर था। ( सही )

४-गेंद हथियाने के लिए दीपक सुधीर और अनिल का सहारा ले रहा था। ( गलत )

५- नई गेंद एकदम ज़ोर से उछली और दरवाजा पार कर सड़क पर पहुँच गई। ( सही )

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-धरती *तवे* की तरह तप रही थी।

२-सामने की क्यारी में *भिंडियो* के ऊँचे-ऊँचे पौधे थे।

३-दिनेश *गेंद* को हाथ मे लिए हुए भीतर आ गया।

४-गेंद देखकर *निशानी* बताना कौन सा कठिन काम है।

५-सभी गेंद पर ऐसे ही *निशानी* होते है।

**प्रवृत्तिः** **अलग - अलग गेंदों के चित्र बनाओ |**

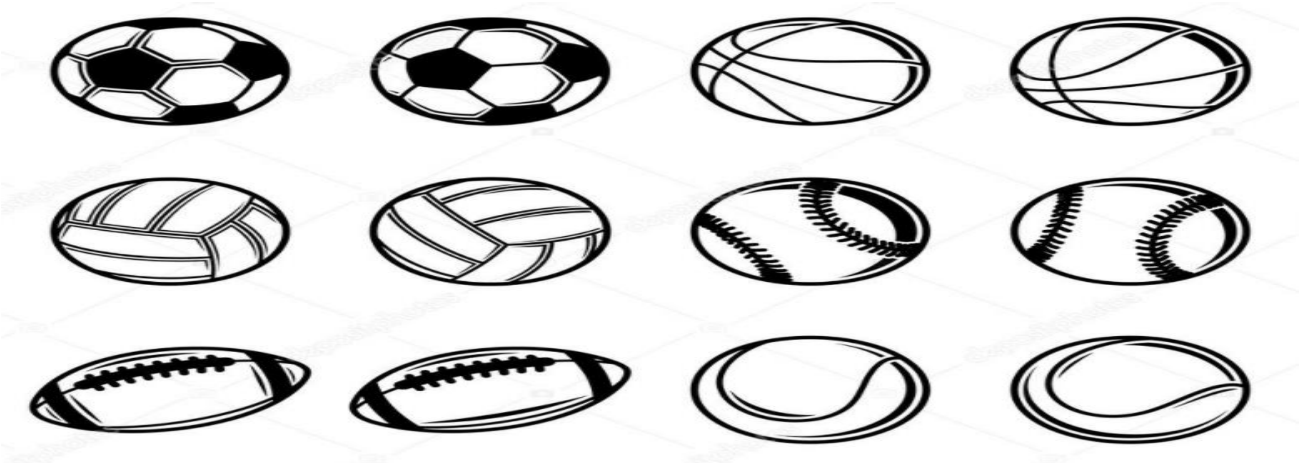

## लेखन विभाग निबंध - मेरा प्रिय खेल क्रिकेट

- क्रिकेट एक खेल है जिसकी शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी।
- यह सभी का बहुत पसंदीदा और प्रसिद्ध खेल है।
- हम सभी क्रिकेट खेलना बहुत पसंद करते है।
- ये बहुत रोचक तथा असंभवनाओं से भरा हुआ खेल है।
- क्रिकेट देखने के लिये क्रिकेट प्रेमियों की टीवी के कमरे और क्रिकेट मैदान में एक बड़ी भीड़ होती है।
- यह एक काफी प्रसिद्ध खेल है जो इंग्लैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रिका आदि जैसे देशों में खेला जाता है।
- इस खेल में दो टीमें होती है और हर टीम में 11–11 खिलाड़ी होते है।
- ये एक खुले बड़े मैदान में बल्ले और गेंद के सहयोग से खेला जाता है।
- क्रिकेट के खेल में सचिन तेंदुलकर ज्यादातर लोगों के पसंदीदा खिलाड़ी है।
- उन्हें क्रिकेट के भगवान के नाम से भी जाना जाता है।

# पाठः४
# पापा जब बच्चे थे
## लेखकःअलेक्सांद रस्किन

**पाठ का सारः** पापा जब छोटे थे तो उनसे अक्सर पूछा जाता था कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। पापा का जवाब कभी एक जैसा नहीं होता। शुरू-शुरू में वे चौकीदार बनना चाहते थे क्योंकि जब पूरा शहर सोता है तब चौकीदार जागता है। फिर उनकी नजर आइसक्रीम वाले पर गई और उन्होंने ठान लिया कि वे आइसक्रीम वाला बनेंगे। ठेले को लेकर घूमते हूए वे खूब आइसक्रीम खाएँगे। पापा के माता-पिता उनकी इस बात पर खूब हँसे । एक दिन पापा ने रेलवे स्टेशन पर शंटिग करने वाले आदमी को देख लिया। फिर क्या था। उन्होंने कहना शुरू किया कि वे बड़े होकर रेलगाड़ी के डिब्बों की शंटिग करेंगे।

इसपर किसी ने उनसे पूछा-फिर आइसक्रीम बेचने के काम का क्या होगा? पापा ने जवाब दिया कि वे शंटिग करने वाला और आइसक्रीम बेचने वाला दोनों बनेंगे। जब उनसे पूछा गया कि वे दोनों काम एक साथ कैसे करेंगे तो पापा ने जवाब दिया कि वे सुबह में आइसक्रीम बेचा करेंगे और उसके बाद स्टेशन चले जाएंगे। कुछ देर डिब्बों की शंटिग करने के बाद वे फिर आइसक्रीम बेचने आ आएंगे। कुछ देर आइसक्रीम बेचकर फिर स्टेशन चले जाएँगे। सभी हँस पड़े। लेकिन पापा गुस्सा हो गए।

एक दिन अचानक पापा को वायुयान चालक बनने की सूझी। इसके बाद उन्होंने अभिनेता बनने की सोची। इसके अलावा वे जहाजी और बरवाहा भी बनना चाहते थे। अंत में एकदिन उन्होंने तय कर लिया कि वह असल में कुत्ता बनना चाहते हैं। उन्होंने बहूत जल्दी भौंकना भी सीख लिया। लेकिन वह अपने पैर से कान के पीछे खुजाना नहीं सीख पाए। इसके लिए वे कुत्ते के पास जाकर बैठ गए। उसी समय एक अजनबी फौजी अफसर उधर से निकला। वह खड़ा होकर पापा को देखने लगा।

फिर उसने पूछा-यह तुम क्या कर रहे हो? पापा ने जवाब दिया-मैं कुत्ता बनना सीख रहा हूँ। फौजी अफसर ने फिर सवाल किया-तुम कुत्ता बनना क्यों चाहते हो? तब पापा ने जवाब में कहा कि वह बहुत दिनों तक इंसान बनकर रह चुके हैं। इसपर फौजी अफसर ने उनसे पूछा-इंसान किसे कहते हैं? पापा ने कहा-आप ही बता दीजिए। इसके बाद अफसर यह कहकर चला गया कि इसके बारे में तुम स्वयं सोचो। पापा सोचने लगे। अचानक यह बात उनकी समझ में आ गई कि वह रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकते। और अंत में उन्होंने तय कर लिया कि वे एक अच्छा इंसान बनेंगे।

## कठिन शब्दः

- अक्सर
- शंटिगवाला
- रेल्वे-स्टेशन
- समस्या
- रेलगाडी
- प्लेटफार्म
- आइसकीम
- इंजन
- अफसर
- फौ़जी
- अचानक
- इरादा

## शब्दार्थः

- यकीन : भरोसा
- रेल्वे-स्टेशन : जहाँ ट्रेन आती है
- समस्या : तकलीफ
- पानी : जल
- मुश्किल :कठिन
- गुस्सा :क्रोध
- इंसान : आदमी
- फौजी : देश की रक्षा करने वाला
- जवाब : उत्तर
- अचानक :एका-एक

## निम्नलिखित प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर लिखिए।

१:शुरु-शुरु मे पापा क्या बनना चाहते थे?

उत्तरः (क) आइस्क्रीम वाका (ख) चौकीदार
(ग) डाक्टर (घ) अध्यापक

२:आइसकीम के ठेले का रंग कैसा था?

उत्तरः (क)पीला (ख) हरा
(ग) लाल (घ) नारंगी

३:पापा आइसकीम का ठेला कहाँ खडा़ करना चाहते थे?

उत्तरः (क) घर के पास (ख) पार्क के पास
(ग) स्कूल के पास (घ) स्टेशन के पास

४:अंत मे पापा ने क्या बनने का निश्चय किया?

उत्तरः (क)फौजी (ख) इंसान
(ग)चौकीदार (घ) इनमे से कोई नही

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

**१-पापा के अनुसार चौकीदार बनने का क्या फायदा है?**

उत्तरःपापा के अनुसार चौकीदार बनने का फायदा था कि सारा शहर सोता है तब चौकीदार जागता है।

**२-स्टेशन पर अजीब खेल खेलने वाला व्यकित कौन था?**

उत्तरः स्टेशन पर अजीब खेल खेलने वाला व्यकित शंटिग वाला था।

**३-आइस्क्रीम बेचने के लिए पापा ने कौन सा समय चुना?**

उत्तरः आइस्क्रीम बेचने के लिए पापा ने सुबह का समय चुना।

**४-जब पापा कुत्ता बनकर बैठे हुए थे,तब वहाँ से कौन गुजरा?**

उत्तरः जब पापा कुत्ता बनकर बैठे हुए थे,तब वहाँ से फौजी गुजरा।

## निम्नलिखि प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।-

**१-पापा आइस्क्रीम बेचने वाला बनने की बात पर क्यो अड रहे?**

उत्तरः पापा आइस्क्रीम बेचने वाला बनने की बात पर अदे रहे क्योकि उन्होने सोचा कि अच्छा लगा तो ठीक नही तो आइस्क्रीम बेचते बेचते खा लेगे।

**२-शंटिग किसे कहते है?**

उत्तरःशंटिग करने वाला व्यकित जब रेलगाडी अपनी यात्रा पूरी करता है तब उसको अगली यात्रा के लिए तैयार करता है।

**३-फौजी ने पापा से क्या पूछा और उन्होने क्या उत्तर दिया?**

उत्तरः फौजी ने पापा से पूछा कि तुम क्या बनना चाहते हो तब पापा ने कहा कि मैं अच्छा इंसान बनना चाहता हूं।

**४-पापा ने किस जवाब को सबसे अच्छा माना और क्यो?**

उत्तरःपापा ने इंसान बनने की बात को सबसे अच्छा माना क्योकि इंसान बनना बहुत अच्छी बात है।

## निम्नलिखि प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

**१-पापा आइसकीम बेचने और शंटिग करने का काम एक साथ कैसे करते?**

उत्तरःपापा सुबह आइसकीम बेचते और दोपहर को स्टेशन जाकर करने का काम करते इस तरह दोनो काम एक साथ करते ।

**२-पापा को अफसर की कौन -सी बात समझ में आ गई थी?उसका क्या परिणाम हुआ?**

उत्तरः पापा को अफसर की इंसान बनने की बात समझ मे आ गई।और उसका यह परिणाम यह हुआ कि पापा अच्छा सोचने लगे।

**३-"पापा जब बच्चे थे"कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?**

उत्तरः "पापा जब बच्चे थे"कहानी से हमें शिक्षा मिलती हैकि हमें कभी अपने इरादे बदलने नही चाहिए।और हमे हमेशा अच्छा इंसान बनना चाहिए।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-जब सारा शहर सो जाता है,तब चौकीदार जागता है। (सही)
२-पापा आइसक्रीम बनना नही चाहते है। (गलत)
३-एक दिन रेल्वे स्टेशन पर उन्होने एक अजीब आदमी को देखा। (सही)
४-पापा चौकीदार और शंटिग करने वाला दोनों नही बनना चाहते थे। (गलत)
५-एक दिन पापा ने वायुयान चालक बनने का निर्णय लिया। (सही)

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-छोटे बच्चो को तो मैं <u>मुफ्त</u> मे आइसक्रीम दिया करुँगा।
२-यह आदमी इंजनो और डिब्बो से <u>खेल</u> रहा था।
३-वह <u>चरवाह</u> बनकर गायो के पीछे घूमते हुए दिन बिताना चाहते थे।
४-मैं काफी दिन तक <u>अफसर</u> बनकर रह चुका हूँ।

**प्रवृत्तिः** **आप बड़े होकर क्या बनाना चाहते हो उसके बारे मे 5 लाईने लिखो |**

## लेखन विभाग

**औपचारिक पत्रः** विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखे।

13, गीता भवन,

शक्ति कुंज, सेक्टर-12

दिनांक :22/5/2021

गाँधीनगर

सेवा मे

प्रधानाचार्य

पुना इन्टरनेशनल स्कुल

गाँधीनगर

माननीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्रयालय मे कक्षा चौथी का छात्र हूँ। मेरे पिताजी का तबादला गाँधीनगर से दिल्ली हो गया है।हमारा पूरा परिवार दिल्ली जा रहा है।इस कारण मुझे यह विद्रयालय छोडना पडेगा।अतः आपसे निवेदन है कि मुझे विद्रयालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करे।

आशा है, आप मेरी प्रार्थना पर शीघ्र ध्यान देगे।मै आपकी बहुत आभारी रहूँगी।

धन्यवाद
आपका छात्र
अपना नाम

# पाठः५
# दोस्त की पोशाक

**पाठ का सारः** नसीरुद्दीन अपने बहुत पुराने दोस्त जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए। कुछ देर गपशप करने के बाद, उन्होंने दोस्त के साथ मोहल्ले में घूमने की इच्छा जाहिर की। जमाल साहब ने जाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वे इस मामूली-सी पोशाक में लोगों से नहीं मिल सकते। इतना सुनना था कि नसीरुद्दीन तुरंत उनके लिए अपनी एक भड़कीली अचकन निकाल कर लाए और कहा-इसमें तुम खूब अच्छे लगोगे।

बनठन करके दोनों घूमने निकले। दोस्त को लेकर नसीरुद्दीन पड़ोसी के घर गए। पड़ोसी से अपने दोस्त का परिचय कराते हुए उन्होंने यह भी बता दिया कि दोस्त द्वारा पहनी हुई अचकन उनकी (नसीरुद्दीन) है। यह सुनकर जमाल साहब का मुँह बन गया। उन्होंने नसीरुद्दीन से कहा-क्या यह बताना जरूरी था कि यह अचकन तुम्हारी है? तुम्हारा पड़ोसी सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने कपड़े भी नहीं हैं। नसीरुद्दीन ने अपनी गलती स्वीकार कर ली।

अब नसीरुद्दीन अपने दोस्त को हुसैन साहब से मिलवाने ले गए। हुसैन साहब ने जब जमाल साहब के बारे में पूछा। तो नसीरुद्दीन ने कहा-जमाल साहब मेरे दोस्त हैं और इन्होंने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है। जमाल साहब फिर नाराज हो गए। उन्होंने नसीरुद्दीन से कहा कि पोशाक के बारे में कुछ नहीं कहना ही अच्छा है। अतः तुम इस विषय में चुप रहोगे।नसीरुद्दीन जमाल साहब को लेकर आगे बढ़े और एक अन्य पड़ोसी से उनका परिचय करवाया-ये हैं मेरे बहुत पुराने दोस्त, जमाल साहब। इन्होंने जो अचकन पहनी है उसके बारे में मैं कुछ नहीं बोलूंगा।

## कठिन शब्दः

- नसीरुदीन
- गपशप
- भड़कीली
- पड़ोसी
- अक्ल
- स्वागत
- परिचय
- घड़ा
- अचकन
- बनठन

## शब्दार्थः

- गपशप : बातचीत
- बनठन कर : सजधज कर
- मुलाकात : भेंट
- मामूली : साधारण
- परिचय करवाना : किसी से मिलवाना
- दोस्त :मित्र
- गलती : भूल
- नाराज होना : गुस्सा होना

## निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१– नसीरुद्दीन किससे मिलकर बड़े खुश हुए?

उत्तर : (क) पडोसी से (ख) **पुराने मित्र से**

(ग) भाई से (घ) बेटे से

२–जमाल साहब की पोशाक कैसी थी?

उत्तर : (क) भड़कीली (ख) सुंदर

(ग) गंदी (घ) **मामूली**

३– नसीरुद्दीन और जमाल साहब कहाँ घूमने गए?

उत्तर : **(क) मोहल्ले मे** (ख) बाजार

(ग) खेत मे (घ) चिड़ियाघर

४–जमाल साहब ने जो अचकन पहनी थी, वह वास्तव मे किसकी थी?

उत्तर : (क) जमाल साहब की (ख) **नसीरुद्दीन की**

(ग) भाई की (घ) हुसैन साहब की

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

**१– नसीरुद्दीन के मित्र का क्या नाम था?**

उत्तर : नसीरुद्दीन के मित्र का नाम जमाल साहब था।

**२– नसीरुद्दीन अपने मित्र के लिए क्या लाए?**

उत्तर : नसीरुद्दीन अपने मित्र के लिए भडकीली अचकन लाए।

**३– नसीरुद्दीन अपने मित्र को लेकर सबसे पहले किससे मिलने गए?**

उत्तर : नसीरुद्दीन अपने मित्र को लेकर सबसे पहले अपने पडोसी से मिलने गए।

**४– नसीरुद्दीन और उनके मित्र कितने लोगों से मिले?**

उत्तर : नसीरुद्दीन और उनके मित्र तीन लोगो से मिले।

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-जमाल साहब लोगो से क्यों नही मिलना चाहते थे?

उत्तर : जमाल साहब लोगो से नही मिलना चाहते थे क्यो कि उनकी पोशाक मामूली थी।

२- नसीरुद्दीन के पडोसी ने उनके मित्र की असलियत कैसे जानी?

उत्तर : नसीरुद्दीन ने अपने मित्र का परिचय कराते हुए उनके मित्र की पोशाक की असलियत बता दी।

३- नसीरुद्दीन ने अंत मे अपने मित्र का परिचय किससे और किस प्रकार करवाया?

उत्तर :अंत मे नसीरुद्दीन ने एक अन्य पडोसी से अपने मित्र का परिचय कराया और पोशाक के लिए कहा की मै कुछ न बोलू वही अच्छा है।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-नसीरुद्दीन ने जमाल साहब को घूमने के लिए कैसे तैयार किया?
उत्तर :नसीरुद्दीन ने जमाल साहब को घूमने के लिए अपनी भडकीली अचकन पहनाकर तैयार किया।और अपने सारे मित्रो से मिलवाने उनके घर ले गए।

२- नसीरुद्दीन दूसरी बार अपने मित्र के साथ कहाँ गए और वहाँ उनका परिचय किस प्रकार करवाया?
उत्तर :नसीरुद्दीन दूसरी बार अपने मित्र के साथ हुसैन साहब के यहाँ पर गए।और वहाँ पर उनका परिचय कराते हुए कहा कि यह मेरे पुराने दोस्त है और इन्होने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१- नसीरुद्दीन की जमाल साहब से नई-नई दोस्ती हुई थी। (गलत)
२-जमाल साहब भड़कीली अचकन पहनकर निकले। (सही)
३- नसीरुद्दीन की बात को सुनकर जमाल साहब पर घड़ो पानी पड़ गया। (सही)
४-हुसैन साहब नसीरुद्दीन के घर गए थे। (गलत)

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१–जमाल साहब ने मोहल्ले मे घूमने से **मना** कर दिया।
२–– नसीरुदीन की जमाल साहब से कई सालों बद **मुलाकात** हुई थी।
३–तुम्हारा **पडोसी** सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने **कपडे** है ही नही
४–पोशाक के बारे मे न कहना ही **अच्छा** है।

## प्रवृत्तिः

**अलग -अलग पोशाकों के चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ |**

## लेखन विभाग

**अनुच्छेद - व्यायाम का महत्व**

मानव शरीर एक मशीन की तरह है। जिस तरह एक मशीन को काम में न लाने पर वह ठप पड़ जाती है, उसी तरह यदि शरीर का भी उचित संचालन न किया जाए तो उसमें कई तरह के विकार आने लगते हैं। व्यायाम शरीर के संचालन का एक अच्छा तरीका है। यह शरीर को उचित दशा में रखने में मदद करता है। व्यायाम के लिए अनेक प्रकार की विधियाँ काम में लाई जाती हैं। कुछ लोग दौड़ लगाते हैं तो कुछ दंड–बैठक करते हैं। बच्चे खेल–कूद कर अपना व्यायाम करते हैं। बुज़ुर्ग सुबह–शाम तेज़ चाल से टहलकर अपना व्यायाम करते हैं। साईकिल चलाना, तैरना, बाग–बगीचों में जाकर उछल–कूद करना आदि व्यायाम की अन्य विधियाँ हैं। नवयुवकों में व्यायामशालाओं में जाकर व्यायाम करने की प्रवृत्ति पाई जाती है। व्यायाम चाहे किसी भी प्रकार का हो, इससे हमें बहुत लाभ होता है। शरीर में ताज़गी आती है तथा यह सुगठित बन जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को कुछ न कुछ व्यायाम अवश्य करना चाहिए।

# पाठः६
# नाव बनाओ नाव बनाओ
## लेखकः हरिकृष्णदास गुप्त

**पाठ का सारः** बरसात का मौसम है। बारिश होने वाली है एक बच्चा अपने भैया से नाव बनाने को कहता है। वह कहता है कि आकाश में बादल छाए हुए हैं। उनमें (बादलों में) सात समुद्र का पानी भरा है। अतः वह अपने भैया से रस का सागर भर कर लाने को कहता है। उसे लगता है कि बारिश खूब होने वाली है। इसलिए वह काफी उत्तेजित है। वह भैया से गुल्लक से पैसे निकालकर नाव बनाने के लिए रंग-बिरंगा कागज लाने को कहता है। वह पानी में नाव तैराएगा और खुब खुश होगा। लेकिन भैया को बारिश और नाव में कोई रुचि नहीं है। वे बोल पड़ते हैं कि यह सब मेरे बस का नहीं है। बच्चा समझ जाता है कि उसके भैया आलस में ऐसा कह रहे हैं। अतः वह उनसे आलस छोड़कर जल्दी आने का अनुरोध कर रहा है।

बरसात का मौसम है। आकाश बादलों से घिरा है। बारिश किसी भी समय हो सकती है। एक बच्चा बहुत उत्तेजित है बारिश के होने की संभावना पर। वह अपने भैया से नाव बनाने को कहता है। वह कहता है कि आकाश में बादल छाएँ हैं। उनमें सात समुद्र का पानी भरा हुआ है। वह पानी कभी भी धरती पर बारिश के रूप में गिर सकता है। वह भैया से कहता है कि वे भी रस का सागर भर कर लाएं। बच्चे को लगता है कि पानी खूब बरसेगा और लंबी-चौड़ी गलियों को भर देगा। घर में भी नदी बहा देगा। अतः वह भैया से जल्दी से नाव बनाने का अनुरोध करता है।

बच्चा अपने भैया से नाव बनाने का आग्रह करता है। वह कहता है कि तुम अपनी गुल्लक से पैसे निकालो क्योंकि तुम्हारी गुल्लक भारी है अर्थात् उसमें अधिक पैसे हैं। मेरी गुल्लक हल्की है क्योंकि उसमें पैसे बहुत कम हैं। अपने । गुल्लक से नए-नए पैसे लुढ़काते हुए निकाल लो और जल्दी से बाजार जाओ। वहाँ से लाल-हरा, या नीला-पीला चमकीला कागज ले आओ। फिर कैंची से फटाफट इन रंग-बिरंगे कागजों को काटकर नाव बना दो। बच्चा अपने भैया से फिर जल्दी करने का आग्रह करता है।

बच्चा अपने भैया से नाव बनाने का आग्रह करता है। वह कहता है कि तुम अपनी गुल्लक से पैसे निकालो क्योंकि तुम्हारी गुल्लक भारी है अर्थात् उसमें अधिक पैसे हैं। मेरी गुल्लक हल्की है क्योंकि उसमें पैसे बहुत कम हैं। अपने । गुल्लक से नए-नए पैसे लुढ़काते हुए निकाल लो और जल्दी से बाजार जाओ। वहाँ से लाल-हरा, या नीला-पीला चमकीला कागज ले आओ। फिर कैंची से फटाफट इन रंग-बिरंगे कागजों को काटकर नाव बना दो। बच्चा अपने भैया से फिर जल्दी करने का आग्रह करता है।

## कठिन शब्दः

- नाव
- पानी
- बादल
- समुंदर
- सागर
- गली
- गुल्लक
- रोलो
- चमकीला
- हर्षाओ
- आलस
- आँखो
- रंगीला
- बस

## शब्दार्थः

- धरेगा - रखेगा
- गुल्लक - पैसे जमा करने का मिट्टी का डिब्बा
- खोट - दोष
- हर्षाओ - खुश कर दो
  समुंदर - सागर
- टटोलो - खोजो
- रोलो - लुढ़काओ
- लपक - झटके, कदम
- पानी - जल, नीर
- बादल- मेघ

## निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१-बादल कितने समुंदर भर के लाया है?
उत्तरः (क) चार (ख) पाँच
(ग) छः **(घ) सात**

२-कवि किसका सागर भरकर लाने को कहता है?
उत्तरः (क) चार (ख) पाँच
(ग) छः **(घ) सात**

३-कवि के घर के पास की गली कैसी है?
उत्तरः **(क) लंबी-चौड़ी** (ख) संकरी
(ग) टेढ़ी-मेढ़ी (घ) ऊबड़-खाबड़

४-कवि भैया से कैसा कागज लाने को कहता है?
उत्तरः (क) सफेद (ख) काला
(ग) **रंग-बिरंगा** (घ) ये सभी

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

**१–पानी पडने से क्या होता है?**
उत्तरः पानी पडने से कीचड़ होता है।
**२–कवि की गुल्लक कैसी है?**
उत्तरःकवि की गुल्लक हल्की है।
**३–नाव बनाने के लिए बाजार से क्या लाना पडेगा?**
उत्तरः नाव बनाने के लिए बाजार से रंग–बिरगे कागज लाने पडेगे।
**४–कागज की नाव किनसे लडती हुई आगे बढ़ती है?**
उत्तरः कागज की नाव लहरो से लडती हुई आगे बढ़ती है।

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

**१–आकाश मे बादलो के छा जाने से क्या होता है?**
उत्तरःआकाश मे बादलो के छा जाने से बरसात होती है।
**२–कवि भैया से किसकी गुल्लक से पैसे निकालने के लिए कहता है और क्यों?**
उत्तरःकवि की गुल्लक मे पैसे कम है इसलिएकवि भैया से अपनी गुल्लक से पैसे निकालने के लिए कहता है।
**३–कवि ने नाव बनाने के लिए क्या–**
उत्तरः कवि ने नाव बनाने के लिए कैची, चुटकी और हाथ चलाने के लिए कहा है।
**४–काव्यांश मे किस कारण हर्षित होने की बात कही है?**
उत्तरः काव्यांश मे नाव के हर्षित होने की बात की है।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।–

**१–वर्षाऋतु आपको कैसी लगती है? इसमे आपको क्या - क्या करना अच्छा लगता है?**
उत्तरः वर्षाऋतु मुझे बहुत अच्छी लगती है क्यो कि वर्षाऋतु मे चाय और पकौडे खाने की मजा आती है। वर्षाऋतु चरो तरफ हरियाली छा जाती है। वर्षाऋतु मे मुझे नहाना बहुत पंसद है।

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१–बादल घिर–घिर कर छा जाते है।
२–भैया की गुल्लक भारी है।
३–कागज लेने के लिए भैया को बाजार जाना पडेगा।

**प्रवृत्तिः** **रंगीन पेपर की नाव बनाओ |**

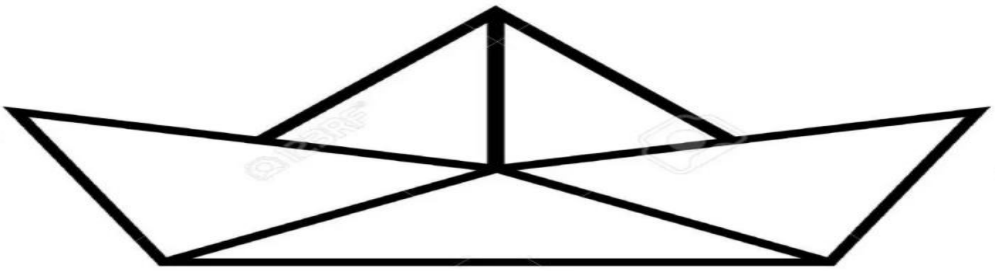

**लेखन विभाग** **निबंध - रक्षाबंधन**

- रक्षा बंधन का शाब्दिक अर्थ रक्षा करने वाला बंधन मतलब धागा है।
- इस पर्व में बहनें अपने भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं।
- यह श्रावण माह के पूर्णिमा में पड़ने वाला हिंदू तथा जैन धर्म का प्रमुख त्योहार है।
- पुराने समय में घर की छोटी बेटी द्वारा पिता को राखी बांधी जाती थी।
- इसके साथ ही गुरुओं द्वारा अपने यजमान को भी रक्षा सूत्र बांधा जाता था।
- आज महिलाओं द्वारा देश की सुरक्षा में तैनात सैनिकों को सीमा पर जाकर राखी बांधी जाती है क्योंकि वह बाह्य शक्ति से हमारी रक्षा करते हैं।
- राखी का त्योहार भाई बहन को भावनात्मक तौर पर जोड़ता है।
- राखी का पर्व मुख्य रूप से भारत तथा नेपाल, मलेशिया तथा अन्य देशों में भी मनाया जाता है।
- इस दिन बाजारों में राखी और मिठाइयों की दुकानों पर काफी भीड़ होती है।

# पाठः७
# दान का हिसाब
## सुकुमार राय

**पाठ का सारः** एक राजा था। वह कपड़ों के ऊपर हजारों रुपये खर्च कर सकता था लेकिन दान नहीं दे सकता था। उसके राज दरबार में गरीबों, विद्वानों, सज्जनों की कोई पूछ नहीं होती थी। एक समय की बात है। उस देश में अकाल पड़ गया। पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे। राजा के पास खबर आई। लेकिन वह यह कहकर सहायता देने से इन्कार कर दिया कि यह तो भगवान की मार है, इसमें मेरा कोई हाथ नहीं है। जब लोगों ने बहुत बिनती की तो वह कहने लगा-लोग कभी अकाल से पीड़ित होंगे तो कभी भूकंप से। इन प्राकृतिक विपदाओं से प्रभावित लोगों की सहायता करते-करते सारा राजभंडार खत्म हो जाएगा। मैं दिवालिया हो जाऊँगा। राजा की बात सुनकर लोग निराश होकर चले गए। इधर अकाल का प्रकोप बढ़ता जा रहा था। न जाने कितने ही लोग भूख से मरने लगे। लोग फिर राजा के पास पहुंचे। उन्होंने बहुत विनती की। सिर्फ दस हजार में ही काम चलाने को कहा। लेकिन राजा ने उनकी एक नहीं सुनी। एक व्यक्ति से रहा नहीं गया। बोल पड़ा-महल में प्रतिदिन हजारों रुपये सुगंधित वस्त्रों, मनोरंजन और महल की सजावट में खर्च होते हैं। यदि इन रुपयों में से ही थोड़ा-सा धन पीड़ितों को मिल जाए तो उनकी जान बच जाएगी। यह सुनकर राजा को क्रोध आ गया। लोग डर गए और वहाँ से चले गए। उनके जाने के बाद राजा हँसते हुए बोला-इन छोटे लोगों के कारण नाक में दम हो गया है।

दो दिनों बाद राजसभा में एक बूढ़ा संन्यासी आया। उसने राजा को आशीर्वाद दिया और कहा-संन्यासी की इच्छा पूरी करो। जब राजा ने पूछा कि तुम्हें क्या चाहिए तो संन्यासी बोला-मैं राजकोष से बीस दिन तक बहुत मामूली शिक्षा प्रतिदिन लेना चाहता हूँ। मेरा भिक्षा लेने का नियम इस प्रकार है, मैं पहले दिन जो लेता हूँ, दूसरे दिन उसको दुगुना, फिर तीसरे दिन उसका दुगुना, फिर चौथे दिन तीसरे दिन का दुगुना। इसी तरह से प्रतिदिन दुगुना लेता जाता हूँ। भिक्षा लेने का मेरा यही तरीका है। वह आगे बोला-आज मुझे एक रुपया दीजिए, फिर बीस दिन तक दुगुने करके देते रहने का हुक्म दे दीजिए। राजा तैयार हो गया। उसने हुक्म दे दिया कि संन्यासी के कहे अनुसार बीस दिन तक राजकोष से उन्हें भिक्षा दी जाती रहे। संन्यासी खुश होकर घर लौट आया।

राजा के आदेशानुसार राज भंडारी संन्यासी को भिक्षा देने लगा। दो सप्ताह तक भिक्षा देने के बाद उसने हिसाब करके देखा कि दान में काफी धन निकला जा रहा है। वह चिंतित हो उठा। उसने यह बात मंत्री को बताई। मंत्री भी चिंता में पड़ गया। उसने भंडारी से बोला-यह क्या कर रहे हो! अभी से इतना धन चला गया है! तो फिर बीस दिनों के अंत में कितने रुपये होंगे? उसने भंडारी को तुरंत हिसाब करने का आदेश

दिया। भंडारी ने हिसाब करके बताया-दस लाख अड़तालीस हजार पाँच सौ पिचहत्तर रुपए। सुनते ही मंत्री घबरा गया। सभी उन्हें सँभालकर बड़ी मुश्किलों से राजा के पास ले गए। मंत्री ने राजा को बताया कि राजकोष खाली होने जा रहा है।जब राजा ने पूछा वह कैसे तो मंत्री ने कहा-महाराज, संन्यासी को आपने भिक्षा देने का हुक्म दिया है। मगर अब पता चला है कि उन्होंने इस तरह राजकोष से दस लाख रुपए झटकने का उपाय कर लिया है। राजा के होश उड़ गए।

राजा के आदेश पर संन्यासी को तुरंत राजसभा में बुलाया गया। उसके आते ही राजा रोते हुए उसके पैरों पर गिर पड़ा। बोला-मुझे इस तरह जान-माल से मत मारिए। अगर आपको बीस दिन तक भिक्षा दी गई तो राजकोष खाली हो जाएगा। फिर राज-काज कैसे चलेगा! संन्यासी ने गंभीर होकर कहा-मुझे अकाल पीड़ितों के लिए केवल पचास हजार रुपए चाहिए। वह रुपया मिलते ही मैं समझेंगा कि मुझे पूरी भिक्षा मिल गई है। राजा ने रकम कम करने को कहा लेकिन संन्यासी अपने वचन पर डटा रहा। आखिरकार लाचार होकर राजकोष से पचास हजार रुपए संन्यासी को देने के बाद ही राजा की। जान बची। पूरे देश में राजा के दान की खबर फैल गई और सभी अपने राजा की तुलना कर्ण से करने लगे।

## कठिन शब्दः

- मुट्ठी
- पूर्वी सीमा
- राजभंडार
- सहायता
- खत्म
- महाराज
- व्यकित
- प्रतिदिन
- उपदेश
- मर्जी
- क्रोध
- भिखारी
- जरुरतमंद

## शब्दार्थः

- लकदक - भडकीला, मंहगा
- वक्त - समय
- नामी लोग - प्रसिद्र लोग
- खबर - समाचार
- दिवालिया - जिसके पास एक भी पैसा न हो
- प्रकोप - कहर
- गुहार लगाना-प्रार्थना करना
- रकम - रुपया,पैसा
- लोभी - लालची
- हुक्म - आदेश
- मुक्त कर देना - स्वंत्रत करना
- लाचार होना - मजबूर होना

## निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१ राजसभा मे किस प्रकार के लोग आते रहते है?

उत्तर : (क) विद्वान (ख) सज्जन
(ग) नामी (घ) दुखी

२ देश मे कौन – सी प्राकृतिक आपदा आ गई थी?
उत्तर : (क) अकाल (ख) भूकंप
(ग) बाढ़ (घ) ये सभी

३ : प्रजा ने राजा से कितने रुपये माँगे ?
उत्तर : (क) पाँच हजार (ख) दस हजार
(ग) बीस हजार (घ) पच्चीस हजार

४ किनकी सहायता करना राजा का कर्तव्य होता है?
उत्तर : (क) जरुरतमंदो की (ख) अमीरो की
(ग) राजाओ की (घ) राज परिवार की

## निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१– राजा किस प्रकार के कपड़े पहनता था?
उत्तर : राजा लकदक कपड़े पहनता था।

२ : लोग क्या खरीदकर अपनी जान बचाना चाहता है?
उत्तर :लोग दूसरे देश से अनाज खरीदकर अपनी जान बचाना चाहते थे।

३ : अचानक राजसभा में कौन आ गया?
उत्तर :अचानक राजसभा मे एक सन्यासी आ गया।

४ : भंडारी हड़बडाता हुआ किसके पास गया?
उत्तर :भंडारी हड़बडाता हुआ मंत्री के पास गया।

५ : आखिरकार लाचार होकर राजा को राजकोष से कितने रुपये देने पडे?
उत्तर : आखिरकार लाचार होकर राजा को राजकोष से पचास हजार रुपये देने पडे।

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१ : राजसभा मे कौन से लोग नही आते थे?

उत्तर : राजसभा मे गरीब, दुखी, विद्वान और सज्जन लोग नही आते थे।

२ : लोग राजा की कौन सी बात सुनकर निराश होकर लौट गए?

उत्तर : जब राजा ने कहा कि मदद करते करतेराज कोष खाली हो जाएगा और मै भी दिवालिया हो जाऊगाँ यह बात सुनकर लोग निराश हो गए।

३ : एक व्यक्ति के अनुसार महलो मे प्रतिदिन हजारो रुपये किस पर खर्च होते थैं?

उत्तर : एक व्यक्ति के अनुसार महलो मे प्रतिदिन हजारो रुपये सुंगधित वस्त्र, मनोरंजन और महलो की सजावट पर

खर्च होते है।

४ : राजा किसी को दान देना क्यो नही चाहता था?

उत्तर :राजा किसी को दान देना नही चाहता था क्यो कि वह सारा धन महलो की सजावट पर खर्च करना चहता था।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।–

**१–राजा का सन्यासी के प्रति क्या हुक्म था? भिक्षा के रुप मे राजा द्वारा सन्यासी को कितने रुपये देने पडते?**

उत्तर :राजा का हुक्म था कि सन्यासी के कहे अनुसार बीस दिन तक राजकोष से उन्हे भिक्षा दी जाती रहे।भिक्षा के रुप मे राजा द्वारा सन्यासी को पहले दिन एक रुपया फिर बीस दिन उसके दुगने करके देने पडते।

**२–लोग राजा के पास क्यो आएथ थे?एवं राजा ने उन्हे क्या कहा?**

उत्तरःलोग राजा के पास उनके देश मे अकाल पडने के कारण आए थे।राजा ने कहायह तो भगवान की मार है।इसमे मेरा कोई हाथ नही है।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१–राजसभा मैं गरीब ,दुखी,विद्वान और सज्जन सभी का आदर सत्कार होता था। (गलत)

२–राजा दिल खोलकर दान दिया करता था। (गलत)

३–पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे। (सही)

४–महल मे प्रतिदिन हजारो रुपये सुंगधित वस्त्रो,मनोरंजन और महल की सजावट मे खर्च होते थे। (सही)

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१–जरुरतमंदो की सहायता करना राजा का कर्तवय होता है।

२–राजसभा मे विद्वान लोग आते रहते थे।

३–पूर्वीसीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे।

## प्रवृत्तिः

**दान के बारे में 5 वाक्य लिखो |**

# पत्र लेखन

सेवा में ,

श्री मान प्रधानाध्यापक महोदय
सरस्वती शिशु मंदिर पिछोर
जिला शिवपुरी ( मध्यप्रदेश )

विषय- दो दिन का अवकाश लेने हेतु -

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय का एक नियमित छात्र हूं । अचानक मेरे मामाजी कि शादी आ जाने के कारण मुझे दो दिन के अवकाश कि जरूरत है ।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे दिनांक 14-6-2019 से 15-6-2019 तक का अवकाश देने की कृपा करें तो आपकी अति कृपा होगी ।

धन्यवाद्

प्रार्थी

दिनांक-

नाम -

कक्षा-